PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Monday, 27th September 2010, Page: 6
Width: 6.52 cms Height: 16.98 cms, Ref: pmin.2010-09-27.53.35

डाक्टरों की मांग, एवांडिया पर लगे प्रतिबंध

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : यूरोप की तर्ज पर भारत में भी मधुमेह की दवा 'एवांडिया' पर डाक्टरों ने प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस दवा पर किए गए अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके सेवन से मधुमेह रोगियों में हृदय रोग संबंधी समस्या का खतरा बढ़ जाता है। 24 सितंबर को अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने इस दवा के सेवन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि भारत में अभी कई कंपनियां इस दवा का निर्माण कर रही हैं और डाक्टर भी मरीजों को दवा लिख रहे हैं। लेकिन, इस घटना के बाद अब भारतीय डाक्टरों ने भी इस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। एम्स के पूर्व डाक्टर व वर्तमान में फोर्टिस अस्पताल के मधुमेह, व मेटाबोलिक रोग विभाग के प्रमुख डा. अनूप मिश्रा का कहना है कि मधुमेह रोधी दवा 'एवांडिया', जिसका जेनेटिक नाम रोजीग्लिटाजोन है दो साल से विवाद में फंसी है। अध्ययन में यह पता चला है कि इसके सेवन से मधुमेह के रोगियों में हृदय रोग के खतरे की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में इस दवा के सेवन पर प्रतिबंध लगना चाहिए। डा.मिश्रा ने कहा कि भारत में इस दवा का उपयोग टाईप-2 मधुमेह के नियंत्रण के लिए किया जाता था। आज भी यह दवा देश में बडी संख्या में रक्त शूगर स्तर को नियंत्रित करने के लिए की जाती है। दिल्ली मधुमेह अनुसंधान केंद्र के अध्यक्ष डा.अशोक झिंगन ने बताया कि यह दवा भारत में 6-7 कंपनियों द्वारा बनाई जाती है और आज भी इसका सेवन लोग करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस दवा के सेवन से किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव दिखाई देता है तो इसे भारतीय बाजार से धीरे-धीरे वापस ले लिया जाना चाहिए और डाक्टरों को भी रोगियों को इसके सेवन की सलाह नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बारे में सरकार को पहल करना चाहिए, क्योंकि दवा कंपनियां अब भी दवा बना रही हैं। डाक्टरों को भी चाहिए कि जिन पुराने मरीजों को दवा दे रहे हैं उन्हें भी धीरे धीरे हटा लें। उन्होंने कहा कि जो मरीज मधुमेह के साथ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप से पीड़ित है, अगर वे इस दवा का सेवन करते हैं तो उनके पैरों में सूजन बढ़ जाती है, शरीर में पानी जमा होने लगता है, सांस फूलने लगती है। ऐसी स्थिति में मरीज को दिल का दौरा भी पड़ सकता है। डाक्टर ने कहा कि जो मरीज इंसुलिन ले रहे हैं उन्हें तो यह दवा कदापि नहीं लेनी चाहिए।

Misc